DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

M.A. HINDI
Semester – I

SESSION : 2024-25

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE,
DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम
सत्र 2024–2025

एम.ए. हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र **2024–2025** हेतु अध्ययन मंण्डल द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

प्रथम सेमेस्टर 2024–2025

प्रश्नपत्र प्रथम :– हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल) भाग–1	**प्रश्नपत्र द्वितीय :–** प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (रासो काव्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य) भाग–1
प्रश्नपत्र तृतीय :– काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र) भाग–1	**प्रश्नपत्र चतुर्थ :–** आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक एवं कहानी) भाग–1
प्रश्नपत्र पंचम :– जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (छत्तीसगढ़ी भाषा संस्कृति एवं **लोक** वांङ्मय) भाग–1	**प्रश्नपत्र पंचम :– वैकल्पिक** लोक साहित्य भाग –01

शैक्षणिक सत्र **2024–2025** हेतु एम.ए. हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम
हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना** 2/8/24

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय,**
सहायक प्राध्यापक

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा,**
सेवा निवृत्त प्राचार्य 2.8.24

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र,**
सहायक प्राध्यापक

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी,**
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान,**
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत 2.8.24

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

• मूल्यांकन – प्रणाली

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक = 04 क्रेडिट

सत्र 2023–2024 से स्वशासी स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र के प्रारूप में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रारूप प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के लिए लागू होगा। नए प्रारूप के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं –

i. प्रश्नपत्र 80 अंकों (04 क्रेडिट) का होगा।
ii. प्रत्येक प्रश्नपत्र में इकाईवार प्रश्न पूछे जाएँगे।
iii. जिन प्रश्नपत्रों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित नहीं है, उनमें प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न पूछे जायेंगे –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

1. प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
2. प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
3. उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्र न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
4. हिंदी साहित्य के जिन प्रश्नपत्रों की पाठ्यवस्तु में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें भी लघूत्तरी प्रश्न के स्थान पर प्रत्येक इकाई से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा, किन्तु अंक विभाजन निम्नानुसार होगा –
   प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) 2 अंक
   प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) 2 अंक
   प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) 6 अंक
   प्रश्न 4. आलोचनात्मक प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) 10 अंक
   (परीक्षार्थी व्याख्यात्मक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा और निर्धारित अंकों को ध्यान में रखते हुए दें।)

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

5. आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा निम्नानुसार होगी –
   आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक = 01 क्रेडिट

- इकाई जाँच परीक्षा – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंकों की एक जाँच परीक्षा ।
- सत्रीय गृहकार्य – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र से कोई 02 विषयों का चयन कर उन पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा। आलेख तैयार करने हेतु मानक संदर्भ सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिये। प्रयुक्त संदर्भ पुस्तकों के शीर्षक, लेखक, प्रकाशन वर्ष तथा प्रकाशक का समुचित विवरण आलेख के अंत में यथाविधि किया जाना चाहिये।
- सेमीनार प्रस्तुति (पावर प्वाइंट के माध्यम से) – 20 अंक
  आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्नपत्र में सेमीनार होगा । सेमीनार का मूल्यांकन मौखिक प्रस्तुति एवं खुली चर्चा (10 अंक) तथा आलेख (10 अंक) के आधार पर किया जाएगा ।
- सेमीनार वाले प्रश्नपत्र को छोड़कर शेष सभी प्रश्नपत्रों में से प्रत्येक में सत्रीय कार्य (20 अंक)
  अर्थात किसी एक प्रश्नपत्र में आंतरिक जाँच परीक्षा + सेमीनार तथा शेष प्रश्नपत्रों में आंतरिक जांच परीक्षा + सत्रीय कार्य के लिये परीक्षार्थी के प्राप्तांकों के औसत की गणना कर उसे मान्य किया जाएगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विद्यार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना होगा ।
2. सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षार्थी को कुल मिलाकर 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आंतरिक जांच परीक्षा (Class Test), सत्रीय गृह कार्य (Home Assignment) तथा सेमीनार प्रस्तुति सम्मिलित होंगे ।
4. **क.** आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए दो आंतरिक (अर्थात जॉच परीक्षा तथा सत्रीय मूल्यांकन) परीक्षाओं में परीक्षार्थी को प्राप्त अंक के औसत की गणना कर उसमें प्राप्तांक में सम्मिलित किया जाएगा। इसमें 20 अंक होंगे।

   ख. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्न पत्र में सेमीनार होगा। सेमीनार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। सेमीनार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिक प्रस्तुति देनी होगी तथा उसका लिखित आलेख प्रस्तुत करना होगा। मौखिक प्रस्तुति के लिए 10 अंक तथा लिखित आलेख के लिए भी 10 अंक होंगे। मौखिक प्रस्तुति के बाद उस पर खुली चर्चा होगी।

   ग. सेमिनार वाले प्रश्नपत्र के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्नपत्रों में 20 अंकों का सत्रीय कार्य होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

प्रथम सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन
सत्र 2024–2025

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक		आंतरिक		क्रेडिट
		अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास	80	16	20	04	5
II	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	16	20	04	5
III	काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन	80	16	20	04	5
IV	आधुनिक गद्य साहित्य	80	16	20	04	5
V	जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति और लोक वाड्.मय) / लोक साहित्य भाग – 01 वैकल्पिक प्रश्नपत्र	80	16	20	04	5
	कुल अंक	400	80	100	20	25

टीप :– सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में 20 अंक = 01 क्रेडिट अंक होंगे।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**छात्रप्रतिनिधि** – **श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	

सत्र 2024–2025
एम. ए. प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र : प्रथम

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग–1)
(आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

पाठ्यक्रम कोड – MHN – 101

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. इतिहास–दर्शन और साहित्य के इतिहास के बीच के संबंधों से अवगत कराना।
2. हिन्दी भाषी समाज और साहित्य के ऐतिहासिक संबंधों की पारस्परिक निर्भरता से परिचित कराना।
3. भक्ति आंदोलन के सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति के विकास में उसके प्रभाव को समझने की दृष्टि विकसित होगी।
4. भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी और समन्वयवादी स्वरूप पर विश्वास पैदा होगा।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1 आदिकाल – इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास ।
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्यायें।
हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्यायें ।

इकाई 2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथा काल तथा रासो काव्य, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, साहित्य प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार ।

इकाई 3 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल)
सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति – आंदोलन, भक्ति काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ,
विभिन्न काव्य – धाराएँ, संतकाव्य–सामान्य प्रवृत्तियाँ ।

इकाई 4 सूफी प्रेमाख्यानक काव्य – प्रवृत्तियाँ, प्रेमाख्यानक परम्परा और हिन्दी में उसका विकास । रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य – सामान्य प्रवृत्तियाँ और दार्शनिक विचार धाराएँ, उपलब्धियाँ ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास के बीच सम्बंधों का ज्ञान होगा।
2. हिन्दी–साहित्य के ऐतिहासिक विकास और हिंदी समाज के विकास के बीच पारस्परिक सम्बंध की समझ निर्मित होगी।
3. भक्ति आंदोलन के सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति के विकास में उसके प्रभाव को समझने की प्रक्रिया और दृष्टिकोण से अवगत होंगें।
4. भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी और उसके समन्वयवयात्मक स्वरूप पर विश्वास पैदा होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे, जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – संशोधित – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – (नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली) – डॉ. नगेन्द्र
4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी) – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य सांस्कृतिक पीठिका – (हिन्दी ग्रंथ अकादमी) – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना** 24/8/24

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2024–2025
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र : द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग–1
(रासो काव्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 102

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **पूर्णांक :– 80**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में–

1. मध्यकालीन सामंती समाज के भीतर विकसित काव्यबोध की सामान्य जानकारी और समझ विकसित करना।
2. भक्ति आंदोलन के दौरान विशिष्ट प्रतिरोध की संस्कृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. मध्यकालीन संस्कृति के अध्ययन के प्रति अभिरुचि विकसित करना।
4. प्राचीन भारतीय समाज और संस्कृति के संवेदनात्मक पक्ष की सामान्य समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम विवरण –

इकाई 1. चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो (संपादक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह) रेवातट समय।

इकाई 2. विद्यापति – विद्यापति पदावली : रामवृक्ष बेनीपुरी (प्रारंभिक 25पद)

इकाई 3. कबीर ग्रंथावली : संपादक डॉ. श्यामसुंदर दास (100 साखियाँ तथा प्रारंभिक 25 पद)
साखियाँ – गुरूदेव कौ अंग 1 से 20, सुमिरण कौ अंग 1 से 10, विरह कौ अंग 1 से 10, ग्यान विरह कौ अंग 1 से 10, परचा कौ अंग 1 से 10, रस कौ अंग 1 से 5, निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग 1 से 10, चितावणी कौ अंग 1 से 10, माया कौ अंग 1 से 5, काल कौ अंग 1 से 10 ।

इकाई 4. मलिक मोहम्मद जायसी : पद्मावत (संपादक आ. रामचन्द्र शुक्ल)। (नागमती विरह खण्ड एवं मानसरोदक खण्ड) रासो काव्य परंपरा, निर्गुण काव्य की ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखा : अवधारणा एवं व्यवहार

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. मध्यकालीन सामंती समाज के भीतर विकसित काव्यबोध की जानकारी और समझ विकसित होगी।
2. भक्ति आंदोलन के प्रतिवादी स्वभाव का ज्ञान हो सकेगा।
3. मध्यकालीन साहित्य संस्कृति के प्रति अभिरूचि जागृत होगी।
4. प्राचीन काल के हिंदी साहित्य की सामाजिक संवेदना का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. चंदबरदाई – डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी
2. कबीर की विचार धारा – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
5. जायसी की विशिष्ट शब्दावली – डॉ. इंदिरा कुमारी सिंह का विश्लेषणात्मक अध्ययन
6. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
7. अमीर खुसरों और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. जायसी :– विजय देवनारायण साही

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय,**
सहायक प्राध्यापक

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा,**
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र,**
सहायक प्राध्यापक

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी,**
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान,**
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2024–2025
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र : तृतीय

काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (भाग–1)

(साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र)

पाठ्यक्रम कोड – MHN – 103

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य के शास्त्रीय मानदंडों से परिचित कराना।
2. साहित्य के आशंसन तथा मूल्यांकन की प्रक्रिया और पद्धतियों से अवगत कराना।
3. साहित्य की आलोचना की शास्त्रीय तथा उन्मुक्त प्रणालियों के प्रति अभिरुचि तथा इस विषय में जागरूकता उत्पन्न करना।
4. काव्यशास्त्रीय पद्धतियों के आधार पर समकालीन साहित्य की आलोचना की समझ और दृष्टि से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. भारतीय काव्यशास्त्र – काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन और काव्य के प्रकार।
– रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति और साधारणीकरण, रस के अंग।

इकाई 2. अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि–सिद्धांत और औचित्य–सिद्धांत।

इकाई 3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – प्लेटो : काव्य–सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण–सिद्धांत, विरेचन–सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन, लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

इकाई 4.
मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप एवं प्रकार्य ।
कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित कल्पना ।
टी.एस.इलियट : कला की निर्वैयक्तिकता, परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा।
क्रिस्टोफर कॉडवेल : कविता की उत्पत्ति।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य के शास्त्रीय मानदण्डों से परिचय हो सकेगा।
2. साहित्य के आशंसन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसति हो सकेगी।
3. आलोचना की शास्त्रीय तथा उन्मुक्त पध्दति का ज्ञान हो सकेगा।
4. काव्यशास्त्रीय पद्धति के आधार पर वर्तमान समय के साहित्य की आलोचना का पद्धतिगत ज्ञान हो सकेगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद : डॉ. भगीरथ मिश्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
4. मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र : डॉ. शिवकुमार मिश्र
5. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
6. पाश्चात्य साहित्य–चिंतन : डॉ. निर्मला जैन
7. भारतीय और पाश्चात्य साहित्य–चिंतन : मूलजी भाई
8. आधुनिकता, साहित्य के संदर्भ में : डॉ. गंगा प्रसाद विमल
9. विभ्रम और यथार्थ : क्रिस्टोफर कॉडवेल

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2024–2025
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र : चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य (भाग–1)
(नाटक एवं कहानी)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 104

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **पूर्णांक :– 80**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यर्थियों को–

1. हिंदी नाटकों की आधुनिक संवेदना और समकालीन जीवन-बोध के सम्बंधों के प्रति सजगता प्रदान करना।
2. हिंदी नाट्य-परंपरा के अध्ययन के प्रति उन्मुख करना।
3. हिंदी-गद्य के वैभव और संवेदनात्मक उत्कर्ष– विशेषतः निबंध और कहानी के संदर्भ, में सामान्य जानकारी प्रदान करना।
4. हिंदी में गद्य लेखन के प्रति रचनात्मक रूप से उन्मुख और अभिप्रेरित करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1 : **नाटक** : स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई 2 : **नाटक** : आधे अधूरे – मोहन राकेश

इकाई 3 : **निबंध**

1. चढ़ती उमर – बालकृष्ण भट्ट
2. कविता क्या है – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. भारतीय साहित्य की प्राण शक्ति – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. जानि शरद ऋतु खंजन आए – रामवृक्ष बेनीपुरी
5. चन्द्रमा मनसो जातः – विद्या निवास मिश्र
6. वैष्णव की फिसलन – हरिशंकर परसाई

इकाई 4 : **कहानी** :

1. उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
2. गुंडा – जय शंकर प्रसाद
3. कफन – प्रेमचन्द
4. जाह्नवी – जैनेन्द्र कुमार
5. अमृतसर आ गया – भीष्म साहनी
6. वापसी – उषा प्रियंवदा

पाठ्यकम अधिगम परिणाम

1. हिन्दी की आधुनिक नाट्य–परम्परा का ज्ञान हो सकेगा।
2. हिन्दी–निबंध के गद्यात्मक वैभव का साक्षात्कार हो सकेगा।
3. हिन्दी–कहानी की परम्परा का ज्ञान हो सकेगा।
4. गद्य–लेखन का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा।

अंक विभाजन

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास : डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन : डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक पुनर्मूल्यांकन : डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि : डॉ. जयदेव तनेजा
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
6. हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ : डॉ. हरिमोहन
7. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र
8. हिन्दी कहानी उद्‌भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा
9. कहानी स्वरूप और संवेदना : श्री राजेन्द्र यादव
10. हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास : लक्ष्मीनारायण लाल
11. कहानी : नयी कहानी : डॉ. नामवर सिंह
12. नाटक, रंगमंच और मोहन राकेश : डॉ. सुरेन्द्र यादव
13. प्रसाद युगीन हिन्दी नाटक : डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल
14. प्रसाद युगीन हिन्दी नाट्य शिल्प : डॉ. शांति स्वरूप गुप्त
15. नाटककार मोहन राकेश : डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2024–25
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र : पांचवाँ
जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (भाग–1)
छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति एवं लोक वाङ्मय
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 105A

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यर्थियों में–

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक स्वरूप, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का सामान्य बोध उत्पन्न करना।
2. छत्तीसगढ़ी के लोक-साहित्य से परिचय तथा उसके प्रति रुचि विकसित करना।
3. छत्तीसगढ़ी लोक-जीवन के विषय में सामान्य जानकारी तथा छत्तीसगढ़ी जानने-सीखने की प्रेरणा उत्पन्न करना।
4. छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. छत्तीसगढ़ – सामान्य परिचय, भौगोलिक विस्तार, ऐतिहासिकता, नामकरण, सांस्कृतिक वैशिष्ट्य, भाषाएँ एवं बोलियाँ, छत्तीसगढ़ी का उद्विकास, भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताएँ।

इकाई 2. छत्तीसगढ़ी लोकवार्त्ता : छत्तीसगढ़ का लोकजीवन, लोक परंपराएँ, रीति रिवाज, पर्व, त्यौहार, लोकसाहित्य, लोककाव्य, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई 3. छत्तीसगढ़ी लोककाव्य : विभिन्न विधाएँ–करमा, ददरिया, सुआगीत, विवाहगीत, सोहरगीत (प्रत्येक विधा से संबंधित दो लोकगीत) ।

इकाई 4. छत्तीसगढ़ी लोकगाथा : दसमत कैना (पाठ एवं विश्लेषण) ।
छत्तीसगढ़ी लोककथा : सबले बड़े के खोज, चतुरा सगा, जा रे ठेकवा नेवता खा, घोड़ीवाला जिमीदार।

नोट :– लोकवार्ता के संकलन हेतु छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में तथा दसमत कैना की ऐतिहासिकता के परीक्षण हेतु उससे संबंधित स्थलों के शैक्षणिक भ्रमण के उपरांत विद्यार्थियों द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक स्वरूप, ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
2. छत्तीसगढ़ी के लोक साहित्य से परिचय हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी लोक जीवन के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी जानने–सीखने की प्रेरणा उत्पन्न होगी। साथ ही छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परम्परा, रीति–रिवाज से परिचय होगा।

अंक विभाजन

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :—

1. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य : सं.डॉ.सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1,शंकर नगर, रायपुर
2. छत्तीसगढी साहित्य दशा और दिशा : नंद किशोर तिवारी, अमीन पारा चौक, पुरानी बस्ती, रायपुर
3. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) : मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए–14, आदर्श नगर, दुर्ग
4. छत्तीसगढी गीत : सं. जमुना प्रसाद कसार, श्री प्रकाशन, ए–14, आदर्श नगर, दुर्ग
5. छत्तीसगढी लोकनाट्य नाचा : महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
6. छत्तीसगढी का उद्विकास : डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
7. छत्तीसगढी बोली व्याकरण और कोश : डॉ. कांति कुमार जैन,
8. छत्तीसगढी लोकसाहित्य का अध्ययन : दयाशंकर शुक्ल, वैभव प्रकाशन, रायपुर
9. छत्तीसगढी लोक जीवन और लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. शकुन्तला वर्मा
10. छत्तीसगढी लोकनाट्यों में शास्त्रीय तत्व, डॉ. शैलजा चन्द्राकर, श्री लब्धिसूरी फाउण्डेशन,दुग्गड़ सदन,दुर्ग
11. छत्तीसगढी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन, नंद किशोर तिवारी
12. लोक मंड़ईः सं. डॉ. जयप्रकाश, लोक मड़ई उत्सव समिति, ग्राम आलिवारा, तह. डोंगरगढ़ जि.राजनांदगांव
13. छत्तीसगढी व्याकरण : डॉ. चंद्र कुमार चंद्राकर, शताक्षी प्रकाशन, रायपुर
14. छत्तीसगढी शब्दकोश : डॉ. चंद्रकुमार चंद्राकर, शताक्षी प्रकाशन, रायपुर
15. छत्तीसगढी के प्रकाशित आंचलिक उपन्यास : डॉ. श्रीमती कृष्णा चटर्जी – वैभव प्रकाशन दिल्ली
16. माई कोठी के धान : जीवन यदु
17. दसमत : यशवंत साहू 'कोंगनिहा' – यशवंत साहू 'कोंगनिहा'
18. ओड़ जाति की लोककथाएं – डॉ. सरिता यशवंत साहू – हिन्दी साहित्य सदन, नई दिल्ली

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :—**

विभागाध्यक्ष :— **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :— **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :— **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**

विषय विशेषज्ञ :— **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :— **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :— **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2024–2025
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पांचवाँ
लोक साहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) भाग – 01
पाठ्यक्रम कोड – MHN - 105B

पूर्णांक –80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में–

1. भारतीय लोकजीवन के सैद्धांतिक स्वरूप के प्रति समझ विकसित करना।
2. देश की लोक-संपदा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. लोक-साहित्य और संस्कृत वांग्मय के बीच संवाद के विषय में सजगता विकसित करना।
4. श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान के भाव का विकास करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. लोक और लोकवार्ता, लोकवार्ता और विज्ञान।
लोक संस्कृति – अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य।
लोक–साहित्य : अवधारणा, संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मुखता।
हिन्दी के आरंभिक साहित्य में लोक तत्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतः संबंध।
लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।

इकाई 2. भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास।
हिन्दी लोक साहित्य के विशिष्ठ अध्येता। लोक–साहित्य की अध्ययन–प्रक्रिया एवं संकलन की समस्यायें।
लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण – लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकनृत्य–नाट्य। लोकसंगीत।

इकाई 3. लोकगीत – संस्कारगीत, व्रतगीत, जातिगीत।
लोकनाट्य – रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वांग, यक्षगान, भवाई सँपेड़ा, विदेसिया, माच, भाँड़, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।
हिन्दी लोकनाट्य की परंपरा एवं प्रविधि।
हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
लोककथा– व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा, कथानक– रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय।

इकाई 4. लोकगाथा– ढोला–मारू, गोपीचंद–भरथरी, लोरिकायन, नल–दमयंती, लैला–मजनूँ, हीर–रांझा, सोहनी–महिवाल, लोरिक–चंदा, बगड़ावत, आल्हा–हरदौल।
लोक–नृत्य–नाट्य। लोक–संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें।
लोक–भाषा : लोक–सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. भारतीय लोकजीवन के सैद्धांतिक स्वरूप के प्रति समझ विकसित हो सकेगी।
2. देश की लोक–संपदा के प्रति जागरूकता विकसित हो सकेगी।
3. लोक–साहित्य और संस्कृत वांग्मय के बीच संवाद का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
4. अभिजात साहित्य और लोक–साहित्य के बीच अंतरसंबंधों की समझ विकसित हो सकेगी।
5. श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान के भाव का विकास होगा।

अंक विभाजन

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. लोक–साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र
2. लोकसाहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. राजस्थानी लोकसाहित्य का सैद्धांतिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण
4. हिन्दी का प्रादेशिक लोकसाहित्य शास्त्र : डॉ. नन्दलाल कल्ला

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

<u>विभागीय सदस्य</u>

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – **श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

M.A. HINDI
Semester – II
SESSION : 2024-25

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)
NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)
Phone : 0788-2212030
Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

शास. वि.या.ता.स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र 2024–2025

एम.ए. हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी विभाग
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)
शैक्षणिक सत्र 2024–2025 हेतु अध्ययन मंण्डल द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

द्वितीय सेमेस्टर 2024–2025

प्रश्नपत्र प्रथम :– हिन्दी साहित्य का इतिहास (उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक) भाग–2	प्रश्नपत्र द्वितीय :– प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य) भाग–2
प्रश्नपत्र तृतीय :– काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (आधुनिक समीक्षा सिद्धांत तथा हिन्दी आलोचना) भाग–2	प्रश्नपत्र चतुर्थ :– आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, एकांकी एवं चरितात्मक कृति) भाग–2
प्रश्नपत्र पंचम :– जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्य साहित्य) भाग–2	

शैक्षणिक सत्र 2024–2025 हेतु एम.ए. हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना 2/8/24

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय,
सहायक प्राध्यापक

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य 2-8-24

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र,
सहायक प्राध्यापक

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

<u>विभागीय सदस्य</u>

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

मूल्यांकन – प्रणाली

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक = 04 क्रेडिट

सत्र – 2023- 2024 से स्वशासी स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र के प्रारूप में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रारूप प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के लिए लागू होगा। नए प्रारूप के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं –

i. प्रश्नपत्र 80 अंकों (04 क्रेडिट) का होगा।
ii. प्रत्येक प्रश्नपत्र में इकाईवार प्रश्न पूछे जाएंगे।
iii. जिन प्रश्नपत्रों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित नहीं है, उनमें प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न पूछे जायेंगे –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

1. प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
2. प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
3. उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
4. हिंदी साहित्य के जिन प्रश्नपत्रों की पाठ्यवस्तु में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें भी लघूत्तरी प्रश्न के स्थान पर प्रत्येक इकाई से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा, किन्तु अंक विभाजन निम्नानुसार होगा –

   प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) 2 अंक
   प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) 2 अंक
   प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) 6 अंक
   प्रश्न 4. आलोचनात्मक प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) 10 अंक
   (परीक्षार्थी व्याख्यात्मक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा और निर्धारित अंकों को ध्यान में रखते हुए दें।)

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

5. आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा निम्नानुसार होगी –

   आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक = 01 क्रेडिट

- इकाई जाँच परीक्षा – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंकों की एक जाँच परीक्षा ।
- सत्रीय गृहकार्य – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र से कोई 02 विषयों का चयन कर उन पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा। आलेख तैयार करने हेतु मानक संदर्भ सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिये। प्रयुक्त संदर्भ पुस्तकों के शीर्षक, लेखक, प्रकाशन वर्ष तथा प्रकाशक का समुचित विवरण आलेख के अंत में यथाविधि किया जाना चाहिये।
- सेमीनार प्रस्तुति (पावर प्वाइंट के माध्यम से) – 20 अंक
  आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्नपत्र में सेमीनार होगा । सेमीनार का मूल्यांकन मौखिक प्रस्तुति एवं खुली चर्चा (10 अंक) तथा आलेख (10 अंक) के आधार पर किया जाएगा ।
- सेमीनार वाले प्रश्नपत्र को छोड़कर शेष सभी प्रश्नपत्रों में से प्रत्येक में सत्रीय कार्य (20 अंक)
  अर्थात किसी एक प्रश्नपत्र में आंतरिक जाँच परीक्षा + सेमीनार तथा शेष प्रश्नपत्रों में आंतरिक जांच परीक्षा + सत्रीय कार्य के लिये परीक्षार्थी के प्राप्तांकों के औसत की गणना कर उसे मान्य किया जाएगा।

विद्यार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना होगा ।
2. सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षार्थी को कुल मिलाकर 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आंतरिक जांच परीक्षा (Class Test), सत्रीय गृह कार्य (Home Assignment) तथा सेमीनार प्रस्तुति सम्मिलित होंगे ।
4. क. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए दो आंतरिक (अर्थात जॉच परीक्षा तथा सत्रीय मूल्यांकन) परीक्षाओं में परीक्षार्थी को प्राप्त अंक के औसत की गणना कर उसमें प्राप्तांक में सम्मिलित किया जाएगा। इसमें 20 अंक होंगे।

   ख. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्न पत्र में सेमीनार होगा। सेमीनार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। सेमीनार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिक प्रस्तुति देनी होगी तथा उसका लिखित आलेख प्रस्तुत करना होगा। मौखिक प्रस्तुति के लिए 10 अंक तथा लिखित आलेख के लिए भी 10 अंक होंगे। मौखिक प्रस्तुति के बाद उस पर खुली चर्चा होगी।

   ग. सेमिनार वाले प्रश्नपत्र के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्नपत्रों में 20 अंकों का सत्रीय कार्य होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय,**
सहायक प्राध्यापक

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा,**
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र,**
सहायक प्राध्यापक

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी,**
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान,**
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – **श्री दीपक सोनी,**
भूतपूर्व छात्र

द्वितीय सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन
सत्र 2024–2025

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक		आंतरिक		क्रेडिट
		अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास	80	16	20	04	**5**
II	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	16	20	04	**5**
III	काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन	80	16	20	04	**5**
IV	आधुनिक गद्य साहित्य	80	16	20	04	**5**
V	जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी	80	16	20	04	**5**
	कुल अंक	400	80	100	20	**25**

टीप :– सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंक = 01 क्रेडिट अंक होंगे।

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

सत्र 2024–2025
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – प्रथम
हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग – 2
(उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. रीतिकाल की साहित्यिक परंपरा का सम्यक ज्ञान तथा रीति-साहित्य को समझने की दृष्टि प्रदान करना।
2. आधुनिकता और नवजागरण की ज्ञान-परंपरा और उसकी सामान्य पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करना।
3. हिंदी के आधुनिक साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना तथा समाजशास्त्रीय पद्धति से उसे समझने की प्रणालियों की जानकारी देना।
4. हिंदी में गद्य के विकास के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) – काल सीमा, नामकरण, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ। रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ।

इकाई 2. आधुनिक काल – आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि । 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण,
भारतेन्दु युग–प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई 3. द्विवेदी युग –प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ, छायावाद – प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ। छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियाँ) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, स्वच्छन्दतावाद सामान्य परिचय।

इकाई 4. हिन्दी गद्य का विकास –
गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों कहानी, उपन्यास, निबंध का उद्भव और विकास, सामान्य प्रवृत्तियाँ नाटक का उद्भव, विकास और सामान्य प्रवृत्तियाँ (गीति–नाटकों का परिचयात्मक विवेचन) ।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

2.8.24 2/8/24

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉं – डॉ. नामवर सिंह
2. हिन्दी साहित्य बींसवीं शताब्दी – नन्ददुलारे बाजपेयी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – कृष्ण शंकर शुक्ल
4. गद्य की विविध विधाएँ – डॉ. बापूराव देसाई
5. हिन्दी कहानी – उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
6. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियॉं – डॉ. शशि भूषण सिंह
7. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र – 2024–2025

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र – द्वितीय

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग – 2

(सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. भक्ति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी संवेदना से परिचित कराना।
2. भक्तिकाल के महान कवियों सूरदास और तुलसीदास के काव्य-वैशिष्ट्य और उनकी कविता की लोकहितकारी भूमिका के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. रीति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी भावभूमि से परिचित करना।
4. भक्तिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करना।

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. सूरदास – भ्रमरगीत सार (संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल) (50 पद)।
पद संख्या – 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)।

इकाई 2. तुलसीदास – रामचरित मानस (सुंदरकाण्ड) गीता प्रेस गोरखपुर।

इकाई 3. बिहारी – बिहारी रत्नाकर, संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)।

इकाई 4. घनानंद – घनानंद कवित्त : संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (प्रारंभिक 25 छंद)
मध्यकालीन काव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।

- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. बिहारी – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
4. तुलसी साहित्य के नये संदर्भ – डॉ. एल.एन.दुबे
5. सूरदास – डॉ. हरबंस लाल शर्मा
6. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना** 2/8/24

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2024–2025
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – तृतीय
काव्यशास्त्र तथा साहित्यालोचन भाग – 2
(समीक्षा के प्रमुख सिद्धांत तथा हिंदी समीक्षाशास्त्र)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यर्थियों को–

1. आधुनिक साहित्य-समीक्षा की प्रमुख वैचारिक प्रणालियों एवं उनके मानदंडों का सामान्य परिचय प्रदान करना।
2. हिंदी-आलोचना की विभिन्न धाराओं का परिचयात्मक ज्ञान प्रदान करना।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचकों की समीक्षा-दृष्टि की जानकारी तथा हिंदी के निजी समीक्षाशास्त्र की संभावनाओं के संबंध में सजगता विकसित करना।
4. व्यावहारिक समीक्षा की विभिन्न पद्धतियों एवं प्रविधियों का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. आधुनिक समीक्षा के प्रमुख सिद्धांतः अभिव्यंजनावाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद ।

इकाई 2. हिन्दी कवि–आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण काव्य–परंपरा।
हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉ : शास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मनोविश्लेषणवादी, प्रगतिशील।

इकाई 3. प्रमुख हिंदी आलोचकों की समीक्षा–दृष्टि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा ।

इकाई 4. व्यावहारिक समीक्षा : प्रश्नपत्र में पूछे गये किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा । निराला–कुकुरमुत्ता; जूही की कली , अज्ञेय–साम्राज्ञी का नैवेद्यदान, मुक्तिबोध – भूल–गलती, रघुवीर सहाय – रामदास,

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत भाग 1 एवं 2 – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
2. हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास – डॉ. भागवत स्वरूप मिश्र
3. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल
4. आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य – डॉ. शिवकरण सिंह
5. हिन्दी आलोचना का विकास – डॉ. नंदकिशोर नवल
6. अस्तित्ववाद : किर्कगार्द से कामू तक – योगेन्द्र शाही
7. आलोचक रामविलास शर्मा – रणधीर सिन्हा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2024–2025
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य भाग– 2
(उपन्यास, एकांकी एवं चरितात्मक कृति)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. हिंदी के गद्य-साहित्य का सामान्य परिचय प्रदान करना।
2. हिंदी-उपन्यासों के अनुभव-संसार के साक्ष्य से सामाजिक वास्तविकता के साक्षात्कार का प्रयत्न करना।
3. एकांकी विधा के विषय में जानकारी प्रदान करना तथा सामाजिक जीवन के साथ एकांकी के संबंधों का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी के गद्य-साहित्य से परिचय कराना तथा उसकी संवेदनात्मक बुनावट की समझ प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 उपन्यास – गोदान – प्रेमचन्द

इकाई – 2 उपन्यास – मैला आंचल – फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई – 3 एकांकी –

1. औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा
2. वसंत – अज्ञेय
3. स्ट्राइक – भुवनेश्वर
4. तौलिए – उपेन्द्रनाथ अश्क
5. मुर्गीवाला – प्रेम साइमन

इकाई – 4 **कथेतर गद्य साहित्य :–**

पथ के साथी : महादेवी वर्मा (केवल दो निबंध) – 1, निराला भाई 2, सुभद्रा
ऋण जल धन जल : फणीश्वर नाथ 'रेणु' – कुत्ते की आवाज
सौंदर्य की नदी नर्मदा : अमृतलाल वेगड़ – सौंदर्य की नदी नर्मदा

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–
प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. प्रेमचंद और उसका युग – डॉ. रामविलास शर्मा
2. गोदान के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. गोपाल राय
3. कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु – चंद्रभान सोनवणे
4. हिन्दी उपन्यास की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ तनेजा
5. प्रेमचन्द एक अध्ययन – डॉ. राजेश्वर गुरू
6. हिन्दी उपन्यास उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
7. हिन्दी के प्रमुख आंचलिक उपन्यासकार – डॉ. शकुन्तला सिंह
8. हिन्दी एकांकी की उद्‌भव और विकास – डॉ. रामचरण महेन्द्र
9. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ कुमार
10. हिन्दी रंगकर्म : दशा और दिशा – डॉ. जयदेव तनेजा
11. महादेवी : प्रतिनिधि गद्य रचनाएँ – संपादक – रामजी पाण्डेय

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य** 2-8-24

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2024–2025
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी भाग– 2
(छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्य साहित्य)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ी भाषा सीखने की दिशा में रुझान विकसित करना।
2. छत्तीसगढ़ी के शिष्ट साहित्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3.छत्तीसगढ़ की संघर्ष-परम्परा, विशेषतः 1857 के क्रांतिकारी योद्धा वीर नारायणसिंह के जुझारू व्यक्तित्व तथा प्रथ स्वाधीनता संघर्ष में उनके योगदान के विषय में जागरूकता विकसित करना।
4. छत्तीसगढ़ी उपन्यास और नाटकों का परिचय करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. सुन्दरलाल शर्मा, मुकुटधर पाण्डेय, नारायणलाल परमार, डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा, भगवतीलाल सेन, मुरली चन्द्राकर ।

इकाई 2. सतवंतिन सुकवारा : श्याम लाल चतुर्वेदी, कउंवा, कबूतर अउ मनखे : परमानंद वर्मा, फिरंतिन मौसी दाई : शिवशंकर शुक्ल, गोरसी के गोठ : डॉ. पालेश्वर शर्मा

इकाई 3. अमर शहीद वीर नारायण सिंह (छत्तीसगढ़ी खंड काव्य) हरि ठाकुर (सर्ग 1, 2, 3)। करमछड़हा (नाटक) खूबचंद बघेल। परेमा (एकांकी) नंद किशोर तिवारी ।

इकाई 4. आवा (उपन्यास) परदेसीराम वर्मा एवं बहू हाथ के पानी (उपन्यास) दुर्गा प्रसाद पारकर

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

2.8.24

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य : सं. डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन एम.आई.जी.–5 सेक्टर–1, शंकर नगर, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) : मदनलाल गुप्ता, श्री प्रकाशन ए–14 आदर्श नगर दुर्ग
3. छत्तीसगढ़ी साहित्य दशा और दिशा : नंद किशोर तिवारी, आमीनपारा चौक, पुरानी बस्ती, रायपुर.
4. अमर शहीद वीर नारायण सिंह (खंड काव्य) : हरि ठाकुर
5. आवा : परदेसी राम वर्मा
6. मुरली के धुन : मुरली चंद्राकर, छ.ग. कल्याण महासंघ, दुर्ग
7. देख रे आंखी सुन रे कान : भगवती लाल सेन, हिन्दी साहित्य समिति, धमतरी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना** 2/8/24

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य** 2-8-24

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र – 2024–2025
द्वितीय सेमेस्टर
लोक साहित्य भाग – 02
छत्तीसगढ़ी : छत्तीसगढ़ी लोक काव्य एवं कथा साहित्य (वैकल्पिक प्रश्न पत्र)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 205B

पूर्णांक :– 80

प्रस्तावना

छत्तीसगढ़ी का लोक-साहित्य अत्यंत समृद्ध और विविधरूपात्मक है। इसकी विपुल विविधता, विलक्षण सर्जनात्मक ऊर्जा और श्रमजीवी समाज के कर्म-सौंदर्य का साक्षात्कार इस पाठ्यक्रम के माध्यम से किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ की वाचिक परम्परा और उसकी समृद्ध विरासत का सम्यक समझ उत्पन्न करना।
2. छत्तीसगढ़ के लोकजीवन और छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य के विषय मे समुचित जागरूकता, अभिरुचि और संवेदनशीलता विकसित करना।
3. छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक अतीत के प्रति गौरव का बोध उसके श्रमजीवी समाज तथा उसकी लोक-संस्कृति के प्रति सम्मान भाव जागृत करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई-1. छत्तीसगढ़ी लोक-काव्य : करमा गीत, ददरिया गीत, सुआ गीत, फाग गीत, गउरा गीत, भोजली गीत, संस्कार गीत (सोहर गीत, बिहाव गीत), जस गीत, पंथी गीत

इकाई-2. छत्तीसगढ़ी लोक-कथा : सामान्य परिचय। लोक-कथा – बकरी और बाघिन, देही तो कपाल का करही गोपाल, महुआ का पेड़, बाघ और सियार, चम्पा और बाँस।

इकाई-3. छत्तीसगढ़ी लोकगाथा : परिचयात्मक अध्ययन। लोकगाथा - दसमत कैना, कुँअर अछरिया, लोरिक-चंदा, पंडवानी।

इकाई-4. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य : परिचयात्मक अध्ययन। लोकनाट्य - नाचा, रहस, समकालीन नाट्य-रूप : चंदैनी गोंदा। पुष्कल साहित्य : जनउला, हाना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को

1. छत्तीसगढ़ की वाचिक परम्परा और उसकी समृद्ध विरासत का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
2. छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन के विषय में समझ और संवेदनशीलता विकसित हो सकेगी।
3. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का समुचित ज्ञान हो सकेगा।
4. छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक अतीत के प्रति गौरव का बोध होगा।
5. छत्तीसगढ़ के श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का भाव का विकास होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य 02अंक	
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

21/8/24

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ-ग्रंथ एवं वेब- लिंक

1. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन : मदन लाल गुप्ता
2. छत्तीसगढ़ी गीत : संपादक-जमुना प्रसाद कसार
3. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य : डॉ. सत्यभामा आडिल
4. छत्तीसगढ़ी साहित्य : नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोक-साहित्य : डॉ. बिहारी लाल साहू
6. छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : मन्नूलाल यदु
7. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य में शास्त्रीय तत्व : डॉ. शैलजा चंद्राकर
8. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा : महावीर अग्रवाल
9. दसमत कैना : संपादक - जय प्रकाश
10. कुँअर अछरिया : संपादक - जयप्रकाश
11. छत्तीसगढ़ी लोककथाएँ http://ignca.nic.in/coilnet/chgr0034.htm#bakari

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय,
सहायक प्राध्यापक

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र,
सहायक प्राध्यापक

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

<u>विभागीय सदस्य</u>

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

M.A. HINDI

Semester - III

SESSION : 2024-25

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र 2024–2025

एम.ए. हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र 2024–2025 हेतु अध्ययन मंण्डल द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

तृतीय सेमेस्टर 2024–2025

प्रश्नपत्र प्रथम :– भाषा विज्ञान भाग 1	**प्रश्नपत्र द्वितीय** :– प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग 1
प्रश्नपत्र तृतीय :– आधुनिक काव्य – भाग 1 (छायावादी एवं पूर्ववर्ती काव्य)	**प्रश्नपत्र चतुर्थ** :– भारतीय साहित्य (भारतीय साहित्य का सैद्धांतिक पक्ष) भाग 1
प्रश्न पत्र पंचम :– पत्रकारिता प्रशिक्षण (पत्रकारिता का स्वरूप) भाग 1	**प्रश्न पत्र पंचम** – वैकल्पिक प्रश्न पत्र राजभाषा प्रशिक्षण भाग – 01

शैक्षणिक सत्र 2024–2025 हेतु एम.ए. हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	

• मूल्यांकन – प्रणाली

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक = 04 क्रेडिट

सत्र –2023-2024 से स्वशासी स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र के प्रारूप में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रारूप प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के लिए लागू होगा। नए प्रारूप के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं –

i. प्रश्नपत्र 80 अंकों (04 क्रेडिट) का होगा।
ii. प्रत्येक प्रश्नपत्र में इकाईवार प्रश्न पूछे जाएँगे।
iii. जिन प्रश्नपत्रों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित नहीं है, उनमें प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न पूछे जायेंगे –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

1. प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
2. प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
3. उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
4. हिंदी साहित्य के जिन प्रश्नपत्रों की पाठ्यवस्तु में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें भी लघूत्तरी प्रश्न के स्थान पर प्रत्येक इकाई से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा, किन्तु अंक विभाजन निम्नानुसार होगा –

प्रश्न 1.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 2.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 3.	व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	6 अंक
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	10 अंक

(परीक्षार्थी व्याख्यात्मक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा और निर्धारित अंकों को ध्यान में रखते हुए दें।)

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा निम्नानुसार होगी –

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक = 01 क्रेडिट

- इकाई जाँच परीक्षा – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंकों की एक जाँच परीक्षा ।
- सत्रीय गृहकार्य – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र से कोई 02 विषयों का चयन कर उन पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा। आलेख तैयार करने हेतु मानक संदर्भ सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिये। प्रयुक्त संदर्भ पुस्तकों के शीर्षक, लेखक, प्रकाशन वर्ष तथा प्रकाशक का समुचित विवरण आलेख के अंत में यथाविधि किया जाना चाहिये।
- सेमीनार प्रस्तुति (पावर प्वाइंट के माध्यम से) – 20 अंक
  आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्नपत्र में सेमीनार होगा । सेमीनार का मूल्यांकन मौखिक प्रस्तुति एवं खुली चर्चा (10 अंक) तथा आलेख (10 अंक) के आधार पर किया जाएगा ।
- सेमीनार वाले प्रश्नपत्र को छोड़कर शेष सभी प्रश्नपत्रों में से प्रत्येक में सत्रीय कार्य (20 अंक)
  अर्थात किसी एक प्रश्नपत्र में आंतरिक जाँच परीक्षा + सेमीनार तथा शेष प्रश्नपत्रों में आंतरिक जांच परीक्षा + सत्रीय कार्य के लिये परीक्षार्थी के प्राप्तांकों के औसत की गणना कर उसे मान्य किया जाएगा।

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल

विद्यार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना होगा ।
2. सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षार्थी को कुल मिलाकर 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आंतरिक जांच परीक्षा (Class Test), सत्रीय गृह कार्य (Home Assignment) तथा सेमीनार प्रस्तुति सम्मिलित होंगे ।
4. क. आंतरिक मूल्यांकन के अंर्तगत प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए दो आंतरिक (अर्थात जॉच परीक्षा तथा सत्रीय मूल्यांकन) परीक्षाओं में परीक्षार्थी को प्राप्त अंक के औसत की गणना कर उसमें प्राप्तांक में सम्मिलित किया जाएगा। इसमें 20 अंक होंगे।

   ख. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्न पत्र में सेमीनार होगा। सेमीनार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। सेमीनार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिक प्रस्तुति देनी होगी तथा उसका लिखित आलेख प्रस्तुत करना होगा। मौखिक प्रस्तृति के लिए 10 अंक तथा लिखित आलेख के लिए भी 10 अंक होंगे। मौखिक प्रस्तुति के बाद उस पर खुली चर्चा होगी।

   ग. सेमिनार वाले प्रश्नपत्र के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्नपत्रों में 20 अंकों का सत्रीय कार्य होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

तृतीय सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन
सत्र 2024–2025

प्रश्न पत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक		आंतरिक		क्रेडिट
		अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
I	भाषा विज्ञान भाग–1	80	16	20	04	5
II	प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग 1	80	16	20	04	5
III	आधुनिक काव्य – भाग 1 (छायावादी एवं पूर्ववर्ती काव्य)	80	16	20	04	5
IV	भारतीय साहित्य (भारतीय साहित्य का सैद्धांतिक पक्ष) भाग 1	80	16	20	04	5
V	पत्रकारिता प्रशिक्षण (पत्रकारिता का स्वरूप) भाग 1 वैकल्पिक प्रश्न पत्र राजभाषा प्रशिक्षण भाग – 01	80	16	20	04	5
	कुल अंक	400	80	100	20	25

टीप :– सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में 20 अंक = 01 क्रेडिट अंक होंगे।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

सत्र 2024–2025
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – प्रथम
भाषा विज्ञान भाग– 1
पाठ्यक्रम कोड – MHN–301

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक, संरचनात्मक और व्यावहारिक पक्षों को लेकर जागरूक कराना।
2. भाषा की रूप-संरचना और व्याकरण के सैद्धांतिक पक्ष के सामान्य ज्ञान से अवगत कराना।
2. विभिन्न ध्वनियों की संरचना और उनकी उच्चारण-विधि का ज्ञान प्रदान कराना।
4. भाषा में अर्थापन की पद्धति का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 **भाषा और भाषा विज्ञान** : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा-व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना। भाषा विज्ञान-स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई – 2 **स्वन प्रक्रिया** : स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाक् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद ।

इकाई – 3 **व्याकरण**: रूप विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी, संबंध दर्शी, रूपिम भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण।

इकाई – 4 **अर्थ विज्ञान** : अर्थ की अवधारणा शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ–परिवर्तन ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. भाषा विज्ञान के सैध्दांतिक और संरचनात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।
2. भाषा की रूप–संरचना और व्याकरण के सैध्दांतिक पक्ष की जानकारी होगी।
3. ध्वनि–संरचना और उसकी सैध्दांतिकी का ज्ञान होगा।
4. भाषा में अर्थापन की पध्दति का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. सामान्य भाषा –विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भारत के भाषा परिवार – डॉ. रामविलास शर्मा
4. भाषा शास्त्र की रूपरेखा – उदय नारायण तिवारी
5. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी
6. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी
7. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – शंकर भोष
8. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
9. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ – प्रो. दीपचंद जैन
10. छत्तीसगढ़ी का उद्विकास –डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**विभागीय सदस्य** डॉ. बलजीत कौर डॉ. जयप्रकाश साव डॉ. कृष्णा चटर्जी छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2024–2025
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – द्वितीय
प्रयोजनमूलक हिन्दी भाग–1
(राजभाषा कम्प्यूटिंग एवं पत्रकारिता)
पाठ्यक्रम कोड – MHN–302

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिन्दी भाषा के व्यावहारिक एवं प्रयोजनात्मक स्वरूप एवं प्रविधि की जानकारी प्रदान करना।
2. कार्यालयीन हिन्दी की व्यावहारिक एवं कामकाजी प्रणाली और उसकी सामान्य जानकारी से अवगत कराना।
3. हिन्दी में कंप्यूटर-प्रणाली का आरम्भिक ज्ञान प्रदान करना।
4. हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप तथा उसकी कार्य-प्रणाली की सामान्य जानकारी देना तथा उनमें पत्रकारीय कार्य के प्रति अभिरुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम विवरण –

इकाई –1 हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा। कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य, प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी–लेखन।

इकाई –2 पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली– निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द) ।

इकाई–3 हिन्दी कम्प्यूटिंग – कम्प्यूटर : परिचय, उपयोगिता क्षेत्र, वेब पेज पब्लिशिंग परिचय। इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र वेब पब्लिशिंग - इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप । लिंक, ब्राउजिंग, ईमेल भेजना/ प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी साफ्टवेयर, पैकेज इत्यादि का सैद्धांतिक ज्ञान एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण।

इकाई–4 पत्रकारिता स्वरूप एवं प्रकार - हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास। समाचार लेखन-कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यवहारिक प्रूफ शोधन, शीर्षक संरचना, लीड,
इंट्रो एवं शीर्षक–संरचना, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. हिंदी भाषा के व्यावहारिक एवं प्रयोजनात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।
2. कार्यालयीन हिंदी की सामान्य जानकारी होगी।
3. हिंदी में कम्प्यूटिंग प्रणाली का ज्ञान होगा।
4. हिंदी–पत्रकारिता के स्वरूप तथा कार्यप्रणाली की जानकारी होगी।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें ––

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. प्रयोजन परक हिन्दी — प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित
2. प्रशासनिक हिन्दी — पुष्पा कुमारी
3. पत्रकारिता के छह दशक — जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
4. हिन्दी पत्रकारिता — कृष्ण बिहारी मिश्र
5. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबंधन —डॉ. सुकुमार जैन
6. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम — डॉ. संजीव भनावत
7. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग — विजय मल्होत्रा
8. कम्प्यूटर एप्लीकेशन — गौरव अग्रवाल

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

सत्र 2024–2025
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – तृतीय
आधुनिक काव्य भाग– 1
(छायावादी एवं पूर्ववर्ती काव्य)
पाठ्यक्रम कोड – MHN–303

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1.द्विवेदी युग की काव्यधारा और उसके संवेदनात्मक-वैचारिक स्वरूप से अवगत करना।

2. छायावाद के काव्य-वैशिष्ट्य और उसके महत्त्व से परिचित कराना।

3. हिन्दी साहित्य के पुनर्जागरण की परिस्थितियों तथा उनकी सर्जनात्मक प्रतिफलन के विषय में सम्यक दृष्टिकोण से अवगत करना।

4. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला और महादेवी वर्मा के काव्य और उनके रचनात्मक अवदान की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1.	**मैथिलीशरण गुप्त**	–	साकेत (नवम सर्ग)
इकाई – 2.	**जयशंकर प्रसाद**	–	कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग)
इकाई – 3.	**सूर्यकांत त्रिपाठी निराला**	–	राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति
इकाई – 4.	**सुमित्रानन्दन पंत**	–	प्रथम रश्मि, मोह, मैं नहीं चाहता चिर सुख, वह बुड्ढा, मजदूरनी के प्रति।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. द्विवेदी–युगीन काव्यधारा से परिचय होगा।
2. छायावाद के काव्य–वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
3. हिन्दी के साहित्यिक पुनर्जागरण का ज्ञान होगा।
4. मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, निराला और महादेवी वर्मा के काव्य–वैशिष्ट्य की जानकारी होगी।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य — 02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य — 02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त — 06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त — 10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. साकेत एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र
2. कवि निराला – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
4. नया साहित्य नये प्रश्न – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
5. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
7. हिन्दी साहित्य आधुनिक परिदृश्य – अज्ञेय
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – नगेन्द्र

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

सत्र 2024–2025
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
भारतीय साहित्य भाग–1
(भारतीय साहित्य का सैद्धांतिक पक्ष)
पाठ्यक्रम कोड – MHN–304

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. भारतीय साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।
2. भारत की सांस्कृतिक बहुलता के प्रति जागरूकता और सम्मान भाव के प्रति प्रेरित करना।
3. भारतीय साहित्य की बहुभाषी परंपरा में विविधता और एकात्मता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा विविधता के प्रति गौरव-बोध विकसित करना।
4. भारतीय साहित्य की समृध्द विरासत का ज्ञान प्रदान करना तथा समकालीन साहित्य के ऐतिहासिक विकास के विषय में समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. भारतीय साहित्य का स्वरूप –

भारत की विविध भाषाएँ, भारतीय भाषाओं का उद्भवकाल एवं भाषा परिवार, सांस्कृतिक विविधता, भारतीय साहित्य की अवधारणा : मूलभूत एकता और विविधता भारतीय साहित्य में समानता और एकता के तत्त्व, भारतीय साहित्य में विविधता और उसके लक्षण।

भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ – बहुभाषिकता तथा भाषा–परिवारों की विविधता, बहुसांस्कृतिकता, विविध साहित्यों के समग्र इतिहास के अध्ययन का अभाव, भारतीय भाषाओं में अंतर्संवाद तथा अनुवाद की अपर्याप्तता, भारतीय साहित्य के समग्र आलोचना शास्त्र का अभाव, साहित्येतिहासों की बहुलता तथा काल–विभाजन की समस्या। विविध विचारधाराएं तथा इतिहास–दृष्टियाँ।

इकाई 2 भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब –

क्लासिकल साहित्य की प्रासंगिकता : भारतीय नवजागरण और आधुनिक चेतना, भारतीय साहित्य पर नवजागरण और आधुनिकता का प्रभाव –यथार्थवाद और भारतीय भाषाओं का कथा–साहित्य, आधुनिक काव्य और आधुनिकतावादी काव्य, स्त्री–विमर्श और दलित चेतना।

भारतीयता का समाज शास्त्र : राष्ट्र (जाति) और राष्ट्रीयता (जातीयता), भारतीयता की अवधारणा, भारतीयता का समाज शास्त्रीय स्वरूप – जातीय चेतना, जनपदीय चेतना, धार्मिक चेतना, वैश्विक चेतना, उदारता एवं ग्रहण शीलता, कौटुम्बिकता, सामुदायिक बोध, सांस्कृतिक एवं जातीय समन्वय (बहुभाषिक, बहुजातीय, बहुसांस्कृतिक राष्ट्रीयता) ।

इकाई 3 हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति –

मूल्यों की अवधारणा – मानवीय मूल्य, भारतीय मूल्य–प्रणाली साहित्यिक मूल्य। आदिकालीन हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्य, मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्य, आधुनिक हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्य।

इकाई 4 उपन्यास – अग्निगर्भ (बंगला – महाश्वेता देवी)

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. भारतीय साहित्य के सैध्दांतिक पक्ष का ज्ञान होगा।
2. भारत की सांस्कृतिक बहुलता के प्रति जागरूकता विकसित होगी।
3. भारतीय साहित्य की बहुभाषी परम्परा में विविधता और एकात्मता के प्रति सजगता उत्पन्न होगी तथा विविधता के सम्मांन का भाव विकसित होगा।
4. भारतीय साहित्य की परम्परा में वर्तमान दौर के साहित्य के ऐतिहासिक विकास की समझ विकसित होगी।

अंक विभाजन : प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा
4. भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी
5. भारतीय साहित्य – डॉ. मूलचंद गौतम
6. भारतीय सहित्य कोष – डॉ. नगेन्द्र

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

सत्र 2024–2025
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
पत्रकारिता प्रशिक्षण भाग–1
(पत्रकारिता का स्वरूप)
पाठ्यक्रम कोड – MHN–305A

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. वैश्विक, भारतीय तथा भाषायी स्तर पर पत्रकारिता के उदय एवं उसके विकास के इतिहासक्रम की सम्यक जानकारी विकसित करना।
2. हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप, विकास और प्रणाली के प्रति सजगता उत्पन्न करना।
3. पत्रकारिता के प्रबंधात्मकता प्रकार्यात्मक पक्ष की समझ विकसित करना।
4. पत्रकारिता के सामान्य कामकाजी स्वरूप और विधि की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1.	(1)	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार ।
	(2)	विश्व पत्रकारिता का उदय । भारत में पत्रकारिता का आरम्भ ।
इकाई 2.	(1)	हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास ।
	(2)	पत्रकारिता का प्रबंधन – प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था ।
इकाई 3.	(1)	समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व– समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम ।
	(2)	सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत – शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति – प्रक्रिया ।
	(3)	समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना ।
इकाई 4.	(1)	संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति ।
	(2)	पत्रकारिता से संबंधित लेखन–सम्पादकीय फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअॅप) की प्रविधि ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. वैश्विक, भारतीय तथा भाषायी स्तर पर पत्रकारिता के उदय एवं विकास के इतिहास–क्रम की जानकारी होगी।
2. हिंदी–पत्रकारिता के स्वरूप और प्रणाली का ज्ञान होगा।
3. पत्रकारिता के प्रबंधात्मक तथा प्रकार्यात्मक पक्ष की समझ विकसित होगी।
4. पत्रकारिता की कार्यविधि का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञान प्रकाशन)
2. पत्रकारिता के छः दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी (साहित्य संगम इलाहाबाद)
3. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबंध – डॉ. सुकुमार जैन (म.प्र.हिन्दी ग्रंथ अकादमी)
4. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक
5. संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण – प्रो.रमेश जैन (मंगलदीप पब्लिकेशन जयपुर)
6. पत्रकारिता सिद्धांत और स्वरुप – डॉ. संजीव कुमार जैन (कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल)
7. जन माध्यम और पत्रकारिता – डॉ. प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
8. अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा – सुरेश कुमार

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय,** **सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा,** **सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र,** **सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी,** **संपादक विचार विन्यास**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,** **भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान,** **सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	

सत्र 2024–2025
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
राजभाषा – प्रशिक्षण भाग – 1 (वैकल्पिक)
पाठ्यक्रम कोड : MHN – 305B

पूर्णांक :– 80

प्रस्तावना

कार्यालयीन हिंदी का एक नया स्वरूप इधर विकसित हुआ है जिसका व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त कर लेने पर रोज़गार की संभावनाओं में अभिवृद्धि होगी और राजभाषा का स्तर-उन्नयन भी होगा।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. राजकीय कार्य तथा प्रशासन-व्यवस्था में राजभाषा के रूप में हिंदी की आवश्यकता, उपयोगिता और उसके अनुप्रयोग के विषय में सम्यक जानकारी प्रदान करना।
2. भारत-जैसे बहुभाषी समाज में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता के बारे में अवगत कराना।
3. राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति तथा संबंधित संवैधानिक प्रावधानों का ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी में प्रशासनिक कामकाज करने में सामर्थ्य विकसित हो सकेगा।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. प्रशासन व्यवस्था और भाषा। भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता। राजभाषा (कार्यालयीन हिंदी) की प्रकृति और स्वरूप

इकाई 2. विषयक संविधानिक प्रावधान : राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक), राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960), राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प 1968, (यथा अनुमोदित 1991) राजभाषा नियम 1976।

इकाई 3. द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र। हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी। हिंदी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थानों की भूमिका।

इकाई 4. हिंदी और देवनागरी लिपि। देवनागरी लिपि का इतिहास और उसकी वैज्ञानिकता। हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या। भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. राजकीय कार्य तथा प्रशासन-व्यवस्था में राजभाषा के रूप में हिंदी की आवश्यकता, उपयोगिता और उसके अनुप्रयोग के विषय में ज्ञान होगा।
2. भारत-जैसे बहुभाषी समाज में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता के बारे में समझ विकसित हो सकेगी।
3. राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति तथा संबंधित संवैधानिक प्रावधानों का ज्ञान हो सकेगा।
4. हिंदी-भाषा के मानकीकरण के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की जानकारी हो सकेगी।
5. हिंदी में प्रशासनिक कामकाज करने में सामर्थ्य विकसित हो सकेगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें—

प्रश्न 1.	अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2.	अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3.	लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4.	दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ-ग्रंथ

1 प्रयोजन मूलक हिन्दी — डॉ. माधव सोनटक्के — लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2 प्रयोजन मूलक हिन्दी और अनुवाद — डॉ. तेजस्वी कट्टीमनी — भारत देशम प्रकाशन, हैदराबाद
3 प्रयोजन मूलक हिन्दी — विनोद गोदरे — वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4 प्रयोजन मूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग — दंगल झालटे
5 प्रयोजन मूलक हिन्दी की नई भूमिका — कैलाशनाथ पाण्डेय — लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6 भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा — कैलाशनाथ पाण्डेय — लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7 प्रयोजन मूलक हिन्दी व्याकरण — डॉ. बी. एम. पाण्डेय — प्रभात प्रकाशन

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना 2/8/24	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	डॉ. जयप्रकाश साव
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. कृष्णा चटर्जी
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

M.A. HINDI

Semester - IV

SESSION : 2024-25

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)
NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)
Phone : 0788-2212030
Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र 2024–2025

एम.ए. हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र 2024–2025 हेतु अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

चतुर्थ सेमेस्टर 2024–2025

प्रश्नपत्र प्रथम :– भाषा विज्ञान भाग –2 (हिन्दी भाषा : ऐतिहासिक विकास एवं आधुनिक स्वरूप)	**प्रश्नपत्र द्वितीय :–** प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग–2 (मीडिया–लेखन एवं अनुवाद)
प्रश्नपत्र तृतीय :– आधुनिक काव्य (प्रगतिवादी एवं उत्तरवर्ती काव्य) भाग–1	**प्रश्नपत्र चतुर्थ :–** भारतीय साहित्य भाग–2 (पश्चिमोत्तर एवं दक्षिणात्य भाषाओं का साहित्य)
प्रश्नपत्र पंचम :– पत्रकारिता प्रशिक्षण – भाग 2 (इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट पत्रकारिता)	**प्रश्नपत्र पंचम :–** वैकल्पिक राजभाषा प्रशिक्षण – भाग –02

शैक्षणिक सत्र 2024–2025 हेतु एम.ए. हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	विभागीय सदस्य डॉ. बलजीत कौर डॉ. जयप्रकाश साव डॉ. कृष्णा चटर्जी छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

मूल्यांकन – प्रणाली

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक = 04 क्रेडिट

सत्र 2023-2024 से स्वशासी स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र के प्रारूप में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रारूप प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के लिए लागू होगा। नए प्रारूप के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं –

i. प्रश्नपत्र 80 अंकों (04 क्रेडिट) का होगा।
ii. प्रत्येक प्रश्नपत्र में इकाईवार प्रश्न पूछे जाएँगे।
iii. जिन प्रश्नपत्रों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित नहीं है, उनमें प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न पूछे जायेंगे –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

1. प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
2. प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
3. उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
4. हिंदी साहित्य के जिन प्रश्नपत्रों की पाठ्यवस्तु में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें भी लघूत्तरी प्रश्न के स्थान पर प्रत्येक इकाई से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा, किन्तु अंक विभाजन निम्नानुसार होगा –

   प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) 2 अंक
   प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) 2 अंक
   प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) 6 अंक
   प्रश्न 4. आलोचनात्मक प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) 10 अंक
   (परीक्षार्थी व्याख्यात्मक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा और निर्धारित अंकों को ध्यान में रखते हुए दें।)

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

5. आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा निम्नानुसार होगी –

   आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक = 01 क्रेडिट

- इकाई जाँच परीक्षा – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंकों की एक जाँच परीक्षा ।
- सत्रीय गृहकार्य – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र से कोई 02 विषयों का चयन कर उन पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा। आलेख तैयार करने हेतु मानक संदर्भ सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिये। प्रयुक्त संदर्भ पुस्तकों के शीर्षक, लेखक, प्रकाशन वर्ष तथा प्रकाशक का समुचित विवरण आलेख के अंत में यथाविधि किया जाना चाहिये।
- सेमीनार प्रस्तुति (पावर प्वाइंट के माध्यम से) – 20 अंक
  आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्नपत्र में सेमीनार होगा । सेमीनार का मूल्यांकन मौखिक प्रस्तुति एवं खुली चर्चा (10 अंक) तथा आलेख (10 अंक) के आधार पर किया जाएगा ।
- सेमीनार वाले प्रश्नपत्र को छोड़कर शेष सभी प्रश्नपत्रों में से प्रत्येक में सत्रीय कार्य (20 अंक)
  अर्थात किसी एक प्रश्नपत्र में आंतरिक जाँच परीक्षा + सेमीनार तथा शेष प्रश्नपत्रों में आंतरिक जांच परीक्षा + सत्रीय कार्य के लिये परीक्षार्थी के प्राप्तांकों के औसत की गणना कर उसे मान्य किया जाएगा।
- चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र पत्रकारिता प्रशिक्षण भाग 2 के आंतरिक मूल्यांकन (जांच परीक्षा तथा सत्रीय कार्य) के स्थान पर प्रोजेक्ट कार्य 20 अंक का होगा।

विद्यार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना होगा ।
2. सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षार्थी को कुल मिलाकर 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आंतरिक जांच परीक्षा (Class Test), सत्रीय गृह कार्य (Home Assignment) तथा सेमीनार प्रस्तुति सम्मिलित होंगे ।
4. क. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए दो आंतरिक (अर्थात जॉच परीक्षा तथा सत्रीय मूल्यांकन) परीक्षाओं में परीक्षार्थी को प्राप्त अंक के औसत की गणना कर उसमें प्राप्तांक में सम्मिलित किया जाएगा। इसमें 20 अंक होंगे।

   ख. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्न पत्र में सेमीनार होगा। सेमीनार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। सेमीनार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिक प्रस्तुति देनी होगी तथा उसका लिखित आलेख प्रस्तुत करना होगा। मौखिक प्रस्तृति के लिए 10 अंक तथा लिखित आलेख के लिए भी 10 अंक होंगे। मौखिक प्रस्तुति के बाद उस पर खुली चर्चा होगी।

   ग. सेमिनार वाले प्रश्नपत्र के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्नपत्रों में 20 अंकों का सत्रीय कार्य होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्नपत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक		आंतरिक		क्रेडिट
		अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
I	भाषा विज्ञान भाग – 2	80	16	20	04	5
II	प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग – 2	80	16	20	04	5
III	आधुनिक काव्य भाग – 2	80	16	20	04	5
IV	भारतीय साहित्य भाग – 2	80	16	20	04	5
V	पत्रकारिता प्रशिक्षण भाग – 2 वैकल्पिक राजभाषा प्रशिक्षण भाग – 02	80	16	20	04	5
	कुल अंक	400	80	100	20	25

टीप :– सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में 20 अंक = 01 क्रेडिट अंक होंगे।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**

विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**

विभागीय सदस्य

डॉ. बलजीत कौर

डॉ. जयप्रकाश साव

डॉ. कृष्णा चटर्जी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

चतुर्थ सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन
सत्र 2024–2025

सत्र 2024–2025

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र – प्रथम

भाषा विज्ञान भाग–2

(हिन्दी भाषा : ऐतिहासिक विकास एवं आधुनिक स्वरूप)

पाठ्यक्रम कोड – MHN - 401

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिन्दी भाषा के इतिहास और उसके विकास-क्रम तथा उसकी परम्परा से अवगत कराना।
2. हिन्दी -प्रदेश की जनपदीय बोलियों की विविधता, उनके ऐतिहासिक स्वरूप और भौगोलिक विस्तार से परिचित कराना।
3. हिन्दी भाषा के प्रयोजनात्मक स्वरूप और संवैधानिक स्थिति की समुचित जानकारी देना।
4. हिन्दी में कंप्यूटिंग की पद्धति का सामान्य परिचय देना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनका वर्गीकरण ।

इकाई 2. **हिन्दी का भौगोलिक विस्तार** – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी हिन्दी तथा पहाड़ी हिन्दी और उनकी बोलियाँ । पूर्वी हिन्दी एवं पश्चिमी हिन्दी की विशेषताएँ

इकाई 3. **हिन्दी के विविध रूप** – संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार–भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।

इकाई 4. **हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ** – आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी – शोधक, मशीनी–अनुवाद, हिन्दी भाषा–शिक्षण, देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. हिंदी भाषा के विकास के इतिहास क्रम और उसकी परंपरा की जानकारी होगी।
2. हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियों और उपभाषाओं की विशेषताओं तथा उनके भौगोलिक क्षेत्र–विस्तार का ज्ञान होगा।
3. हिंदी भाषा के प्रकार्यात्मक पक्ष और उसकी संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होगा।
4. हिंदी में कम्प्यूटिंग की पध्दति की सामान्य जानकारी होगी।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होंगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ – प्रो. दीपचंद जैन
3. भाषा भूगोल – कैलाशचंद भाटिया
4. हिन्दी भाषा की रूप संरचना – भोलानाथ तिवारी
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी, समस्याऍ और समाधान – देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. नागरी लिपि और हिन्दी – अनंत चौधरी
7. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
8. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना 2/8/24	विभागीय सदस्य
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	डॉ. जयप्रकाश साव
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. कृष्णा चटर्जी
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

सत्र 2024–2025
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – द्वितीय
प्रयोजन मूलक हिन्दी (भाग–2)
(मीडिया – लेखन एवं अनुवाद)
पाठ्यक्रम कोड – MHN - 402

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. जनसंचार के स्वरूप, प्रक्रिया और पद्धति से अवगत कराना।
2. जनसंचार की विशिष्ट भाषा से परिचित कराना तथा उसमें हिन्दी के प्रयोजनात्मक रूप के उपयोग के प्रति जागरूक करना।
3. हिन्दी में अनुवाद की पद्धति , प्रविधि और प्रक्रिया से परिचित कराना।
4. अनुवाद के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलू का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 **मीडिया लेखन** – जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ, विभिन्न जनसंचार – माध्यमों का स्वरूप – मुद्रण, श्रवण, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट श्रवण– माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।

इकाई – 2 **दृश्य – श्रव्य माध्यम** (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो) – दृश्य - माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर)। पटकथा-लेखन, टेली-ड्रामा, संवाद-लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।

इकाई – 3 **अनुवाद** – सिद्धांत एवं व्यवहार ,अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद। जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।

इकाई – 4 **व्यावहारिक अनुवाद** अभ्यास, कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक नियुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि, पत्रों के अनुवाद, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार-कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, दुभाषिया-प्रविधि ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. जनसंचार के स्वरूप, पध्दति और प्रकिया की सामान्य जानकारी होगी।
2. जनसंचार माध्यमों की भाषा के वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
3. हिंदी में अनुवाद की प्रकिया और प्रविधि की जानकारी होगी।
4. अनुवाद के सिध्दांत और व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य 02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त 12 अंक

	इकाई–I	**इकाई–II**	**इकाई–III**	**इकाई–IV**
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1.	जनसंचार माध्यमों में हिन्दी	:	डॉ. चंद्रकुमार
2.	हिन्दी और उसकी विविध बोलियां	:	प्रवीण दीक्षित
3.	पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार	:	डॉ. संजीव भानावत
4.	पत्रकारिता के विविध आयाम	:	वेदप्रताप वैदिक
5.	दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध	:	डॉ.कृष्ण कुमार रत्तू
6.	जनमाध्यम एवं पत्रकारिता	:	प्रवीण दीक्षित
7.	अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा	:	सुरेश कुमार
8.	अनुवाद–बोध	:	डॉ. गार्गी गुप्त

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	

सत्र 2024–2025
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–तृतीय
आधुनिक काव्य (भाग–2)
(प्रगतिवादी एवं उत्तरवर्ती काव्य)
पाठ्यक्रम कोड – MHN - 403

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थी को

1. आधुनिक काव्य के मूल स्वभाव की समझ प्रदान कराना ।
2. आधुनिक काव्य के संवेदनात्मक और वैचारिक स्वरूप से अवगत कराना।
3. हिन्दी की लंबी कविताओं के स्वरूप और प्रणाली से अवगत कराना।
4. प्रगतिवाद और प्रयोगवाद के वैचारिक, संवेदनात्मक और सौंदर्यशास्त्रीय पहलुओं से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1. **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय** – नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, उधार, देह वल्ली, सोन मछली ।

इकाई – 2. **गजानन माधव मुक्तिबोध** – अंधेरे में

इकाई – 3. **नागार्जुन** – यह तुम थीं, खुरदरे पैर, तुमको प्रणाम, पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने, शाल वनों के निविड़ टापू में, सिन्दूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है, रहा उनके बीच मैं, लू-शून ।

इकाई – 4. **त्रिलोचन शास्त्री** – चम्पा काले–काले अच्छर नहीं चीन्हती, जीवन का एक लघु प्रसंग, हाथों के दिन, घर वापसी, प्यार, भाषा की लहर ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. प्रगतिवादी काव्य के वैचारिक और संवेदनात्मक स्वरूप से परिचय होगा।
2. प्रयोगवादी काव्य के वैचारिक और संवेदनात्मक स्वरूप का ज्ञान होगा।
3. अज्ञेय और मुक्तिबोध की लंबी कविताओं के बहाने हिंदी की लंबी कविताओं के स्वरूप और रचना विधान के बारे में समझ विकसित होगी।
4. नागार्जुन और त्रिलोचन की काव्यगत अभिलाक्षणिकताओं से परिचय होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (2 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
2. अज्ञेय का रचना संसार – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. कविता की तीसरी आँख – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
4. कविता से साक्षात्कार – मलयज
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र शुक्ल
6. समकालीन कविता का यर्थाथ – परमानंद श्रीवास्तव
7. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना 2/8/24	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	

सत्र 2024–2025
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
भारतीय साहित्य (भाग –2)
(पश्चिमोत्तर एवं दक्षिणात्य भाषाओं का साहित्य)
पाठ्यक्रम कोड – MHN - 404

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. भारत की समन्वयात्मक और बहुलतावादी संस्कृति के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
2. भारतीय साहित्य की परम्परा और उसकी सांस्कृतिक अभिप्रेरणाओं के प्रति रुझान विकसित होगा।
3. भारतीयता के सांस्कृतिक स्रोतों का सम्यक दृष्टि और अभिरुचि पैदा होगी।
4. हिन्दीतर भाषाओं के साहित्य के प्रति रुचि , उत्सुकता और सम्मान उत्पन्न होगा।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 **पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग : मराठी के साहित्य तथा साहित्येतिहास का अध्ययन –**
महाराष्ट्र की संकल्पना, मराठी की उत्पत्ति और विकास।
मराठी साहित्य तथा उसका इतिहास – प्राचीन काल – यादव काल, बहमनी काल, मराठा काल, पेशवा काल। आधुनिक काल – आधुनिक मराठी काव्य, आधुनिक मराठी गद्य–साहित्य।

इकाई – 2 **हिन्दी एवं मराठी भाषा का तुलनात्मक अध्ययन –**
हिन्दी और मराठी का निर्गुण काव्य, हिन्दी और मराठी का वैष्णव साहित्य (कृष्ण–काव्य), हिन्दी और मराठी साहित्य पर आधुनिक चेतना और नवजागरण का प्रभाव – यथार्थवादी चेतना और उपन्यास, स्वच्छंदतावादी और प्रगतिशील काव्य, हिन्दी एवं मराठी दलित साहित्य, आधुनिकता बोध और प्रयोगवादी काव्य का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई – 3 **कविता संग्रह – कोच्चि के दरख्त (मलयालम–के. जी. शंकर पिल्लै) ।**

इकाई – 4 **नाटक – हयवदन (गिरीश कर्नाड) ।**

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. मराठी साहित्य और संस्कृति से विद्यार्थियों का सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की संस्कृति का ज्ञान होने से राष्ट्रीय समन्वय का भाव विकसित होगा।
3. मलयालम तथा कन्नड़ की विशिष्ट कृतियों का अध्ययन किए जाने से दक्षिणात्य संस्कृति से भी परिचय होगा तथा समन्वय भावना का भी विकास होगा।
4. भारतीयता के सांस्कृतिक स्त्रोतों के प्रति सजगता उत्पन्न होगी।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई - I	इकाई - II	इकाई III	इकाई IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. मराठी भाषा और साहित्य राजमल बोरा, प्रकाशन पब्लिशिंग हाउस 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली ।
2. मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार – प्रो आर.सुरेन्द्र हिन्दी विभाग, कालीकट वि. वि. केरल
3. मलयालम साहित्य – परख और पहचान, प्रो.आर.सुरेन्द्र हिन्दी विभाग, कालीकट वि. वि. केरल
4. भारतीय साहित्य – नगेन्द्र प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
6. भारतीय साहित्य रत्नमाला – स. कृष्णदयाल भार्गव, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय, भारत सरकार दिल्ली।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	

सत्र 2024–2025
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
पत्रकारिता प्रशिक्षण (भाग –2)
(इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट पत्रकारिता)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 405

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता की प्रकृति एवं प्रविधि की जानकारी प्रदान करना।
2. जनसंपर्क की विधि और प्रक्रिया का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।
3. संविधान-प्रदत्त मौलिक अधिकारों, विशेषतः वाणी-स्वातंत्र्य के लोकतांत्रिक अधिकारों के विषय में समझ और जागरूकता विकसित करना।
4. पत्रकारिता के कर्तव्य एवं दायित्व पक्ष की सम्यक जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता – रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया और इन्टरनेट की पत्रकारिता।
प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ संशोधन, ले–आऊट तथा पृष्ठ–सज्जा।

इकाई – 2 भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना का अधिकार एवं मानवाधिकार।
मुक्त प्रेस की अवधारणा।

इकाई – 3 लोक–सम्पर्क तथा विज्ञापन।
प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।

इकाई – 4 प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता।
प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता की प्रकृति एवं प्रविधि का ज्ञान होगा।
2. जन–संपर्क की विधि का सामान्य ज्ञान हो सकेगा।
3. संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों विशेषतः वाणी–स्वातंत्र्य के लोकतांत्रिक अधिकारों के विषय में समझ विकसित होगी।
4. पत्रकारिता के कर्तव्य एवं दायित्व पक्ष का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्पयुक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
  इस प्रश्न पत्र के आंतरिक मूल्यांकन (जांच परीक्षा तथा सत्रीय कार्य) के स्थान पर प्रोजेक्ट कार्य 20 अंक का होगा । पत्रकारिता के व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु छत्तीसगढ़ के किसी समाचार प्रेस की कार्यप्रणाली का अध्ययन करने के लिए शैक्षणिक भ्रमण तथा उसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी

संदर्भ ग्रंथ :–

1. जनमाध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित
2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भानावत
3. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक
4. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू
5. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
6. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	

सत्र 2024–2025
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
राजभाषा–प्रशिक्षण (भाग –2)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 405B

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. कम्प्यूटर में हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।
2. कार्यालयीन अभिलेखों के हिंदी अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष के संबंध में सामान्य जानकारी से अवगत कराना।
3. हिंदी में तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दावली और उनके व्यवहार के विषय में सजगता विकसित करना।
4. हिंदी में वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, विधि आदि की शब्दावली के विषय में तथा साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिन्दी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण, तथा पत्राचार। कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या।

इकाई 2. हिन्दी कम्प्यूटरीकरण।

इकाई 3. हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण।
हिन्दी में वैज्ञानिक और तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली।
केन्द्र और राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति।

इकाई 4. बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति।
विधिक क्षेत्र में हिन्दी।
सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी

1. कम्प्यूटर में हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में जान सकेंगे।
2. कार्यालयीन अभिलेखों के हिंदी अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष के संबंध में जान सकेंगे।
3. हिंदी में तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दावली और उनके व्यवहार के विषय में जान सकेंगे।
4. हिंदी में वैज्ञानिक तकनीकी प्रशासनिक विधि शब्दावली अनुप्रयोग के विषय में जान सकेंगे।
5. सूचना प्रौद्योगिकी ने हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में जान सकेंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्पयुक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
- इस प्रश्न पत्र के आंतरिक मूल्यांकन (जांच परीक्षा तथा सत्रीय कार्य) के स्थान पर प्रोजेक्ट कार्य 20 अंक का होगा ।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. जनमाध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित
2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भानावत
3. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक
4. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू
5. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
6. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	